मेरा नाम पदमा मैत्री है. उम्र २५ साल, मेरा रंग सांवला है, नाक नक्श ठीक ठाक है, बहुत सुन्दर नही हूं पर औसत सुन्दर हूं. सुन्दरता मेरे चेहरे में नही मेरे बदन में है. मेरे बदन की बनावट काफी आकर्षक है, खास कर मेरे स्तन, मेरी जांघे और मेरा पिछवाड़ा. मेरे बदन को देखने वालो की नजरो में ज्यादातर वासना भरी रहती है. मेरी शादी को ६ महीने हो गये है. मै मूल रूप से छत्तीसगढ़ी हूं, हमारी जनजाति की लड़कियां बदन से बहुत मज़बूत होते है, शायद इसलिए की हम भारी काम ज्यादा करते है. लड़के ज्यादातर आलसी होते है और आसान कमाई पर निर्भर रहते है. मै बहुत ज्यादा तो नही पर पढ़ी लिखी हूं. मेरे पति एक कम्पनी मे जॉब करते है, आरक्षण कोटे मे जॉब लगने की वजह से उन की नजर मे जॉब की खास वैल्यु नही है. हम टाऊन एरिया में रहते है और औसत जीवन बसर कर रहे है.

आमतौर पर हम छोटी मोटी पार्टियो मे जाते रहते हैं, पर एक दिन मेरे पति ने मुझे खूब बन ठन कर चलने को कहा. मैने एक सफेद रंग की जरी वाली साड़ी पहन कर अच्छा सा चिमकी वाला मेकअप किया और उनके साथ चल दी. पार्टी मे पहुंच कर पता चला कि ये कोई छोटी मोटी पार्टी नही थी. हम अंदर गये तो पता चला कि यहां लोग खाने के साथ पीना भी कर कर रहे थे. हम एक ४० साल के उम्र के आदमी से मिले. मेरे पति और मुझे एक दूसरे आदमी ने उस आदमी से मिलवाया. बातो ही बातो मे ये पता चला कि वो अधेड़ आदमी छत्तीसगढ़ी फिल्मो का डारेक्टर है और अपने नई फिल्म के लिए हिरोईन की तलाश कर रहा है. उसने मुझे किसी पार्टी मे देखा था और मेरे पति को बताया था कि मै हिरोईन बन सकती हूं. मुझे नही लगता था कि मै हिरोईन बन सकती थी इसलिए इस बाबत पुछा. उसने कहा, "मुझे ऐसी लड़की चाहिए जो यहां के मूल निवासी के जैसे दिखे और मंदाकिनी जैसे जब अपने बदन दिखाये तब लोग आकर्षित हो. जब ब्रा और पैंटी मे पर्दे पर आये तो हॉल मे लोग सीटियां बजाये."

मै समझ गई थी कि वो क्या कहना चाहता है इसलिए मैने और कुछ नही पुछा. मेरे पति ने पुछा, "पेमेन्ट कितना मिलेगा?" उसने शराब का एक घूट लिया और कहा, "अभी आपकी वाईफ नई है इसलिए एक दिन का ३००० देंगे, जब काम मे परफेक्शन आ जायेगा तो एक दिन का १०००० दे सकते है." मेरे पति की आंखे फटी की फटी रह गई. उन्होने फिर पुछा, "और काम कितने दिन करना होगा?" उसने कहा, "आप जैसा चाहें, डेली भी कर सकते है." मेरे पति ने कहा, "हमें मंजूर है." उसने कहा, "देखिए काम शुरू करके से पहले हमे आपकी वाईफ का कुछ ग्लैमर फोटो सेशन करना होगा और पोर्टफोलियो बनाना होगा. कल मेरे आफिस मे चालू करते है." मेरे पति बोले, "ठीक है मै कल इसको ले कर आफिस आ जाता हूं." उसने कहा, "महेन्द्र जी कैसी मिडिल क्लास लोगो जैसे बात कर रहे है. आप अब हाई क्लास सोसाईटी मे आने वाले है और आप हर जगह अपनी वाईफ के साथ जायेंगे क्या?" मेरे पति ने अपनी भूल जताई और मुझे अकेले भेजने पर राजी हो गये. हम कुछ देर रूक कर वापस आ गये.

अगले दिन मुझे ठीक टाईम पर तैयार करवाया और आफिस का पता दे कर टैक्सी करवा दी. मै दिये गये पते पर १० बजे पहुंच गई. डाईरेक्टर साब जिनका नाम योगेश दास था ११ बजे तक आये. मै वेटिंग रूम में बैठी थी. उनके आते ही चपरासी ने मुझसे आ कर कहा कि मै उनके कैबिन मे चली जाऊं. मै

उनके कैबिन मे चली गई. वो अकेले नही थे, २ लोग और थे उनके साथ. मै उन लोगो के सामने बैठ गई. उन्होने मुझसे मेरा नाम, ऐज, एडुकेशन, फैमली बैक्ग्राऊड आदि पुछा. फिर टापिक थोड़ा सा बोल्ड हो गया. उन्होने मुझसे मेरा फिगर, मेरे ब्रा का साईज, पैन्टी का साईज जैसे सवाल पुछे. मै इन सवालो पर झिझक तो रही थी पर जैसे तैसे जवाब दे रही थी. फिर उन्होने मुझे बताया कि वो फोटो सेशन करेंगे और मुझे पहले सिम्पल फिर भड़किले और फिर उससे भी ज्यादा प्रदर्शन करना पड़ेगा. मैने सर हिला दिया तो उन्होने कहा, "मेरे पास पोर्टफोलियो है किसी माडल का आप देख लो और फिर हम चालू करते है." उन्होने मुझे एक एल्बम थमा दी. उसमे एक माडल की बहुत अच्छे से खींची फोटो थी. पहले साड़ी मे फिर सूट मे फिर स्कर्ट मे और जैसे जैसे मै पनने पलटती गई माडल के कपड़े और छोटे और छोटे होते गये. आखरी पन्ना देख कर मेरे तो पसीने ही छूट गये. इसमे उस माडल ने एक भी कपड़े नही पहने थे. मैने एल्बम टेबल पर रखा तो उन्होने कहा, "चले फोटो सेशन के लिए." मै एक झटके से खड़ी हो गई और कहा, "ये सब मुझसे नही होगा." इतना बोल कर मै बाहर आ गई और फिर घर आ गई.

शाम को मेरे पति आये और मुझे कमरे मे ले गये. वहां हम दोनो की बहुत लड़ाई हुई, पता नही योगेश जी ने क्या कह दिया था कि वो इतना भड़क रहे. आखिर मे उन्होने अगले दिन फिर जाने को कहा और मुझे योगेश जी की हर बात मानने को कहा. उन्होने ये भी कह दिया कि अगर ये काम मुझे न मिला तो वो मुझपर बदचलन का आरोप लगा कर मुझे तलाक दे देंगे. मैने बहुत कोशिश की कि उन्हे समझाऊ पर वो मेरी बात सुने ही नही. आखिर मैने उनकी बात मान ली. मै घर मे सबसे बड़ी हूं मुझसे छोटी ६ और बहने है अगर मुझपर बदचलन का आरोप लगा कर मुझे तलाक दे दिये तो मेरी बहनो की शादी होना मुश्किल है. अगले दिन मै ११ बजे उनके आफिस पहुंची और उनके कैबिन मे बैठ गई. वो तीनो आये और मुझसे बात करने लगे. मैने काम करने की सहमति जता दी. हम लोग एक दूसरे कमरे मे गये और उन्होने मुझे एक अलमारी मे कपड़े दिखाये और कहा, "आप एक एक करके कपड़े बदलते जाईये और हम फोटो सेशन करते है." मै एक कमरे मे घुस गई और एक साड़ी पहन कर बगल वाले कमरे निकली. पुरे कमरा लाईट्स और कैमरे से लैस था. उन तीनो ने मेरी कुछ फोटो लिए और फिर मैने कपड़े चेन्ज कर लिया. ३ घन्टे तक मै एक एक करके कपड़े बदली रही और मेरे कपड़े छोटे होते गये. आखिर मे वो मौका आया जब मै बिना कपड़ो के कमरे से बाहर निकली, मुझे बहुत शर्म आ रही थी पर जैसे तैसे मैने फोटो खिचवाये. उसके बाद योगेश जी ने टाईम देखा, "अरे २ बज गये चलो थोड़ा नाश्ता कर लिया जाये." वो लोग मुझसे साथ आने को बोले. मैने झिझकते हुए कहा, "मेरे कपड़े?" योगेश जी ने कहा, "अरे पदमा जी अब यहां कोई आयेगा नही, आप ऐसे ही चलिए." मै थोड़ी झिझकी तो उन्होने कहा, "अरे आप फाल्तू झिझक रही हैं, जो देखना था हम तीनो ने देख लिया है. आप ऐसे झिझकोगी तो कैसे चलेगा, थोड़ा बोल्ड बनिये." मै मन मार कर उन लोगो के साथ उनके आफिस मे आ गई. हम लोगो ने नाश्ता किया और फिर वही सोफे पर बैठ कर बाते होने लगी. मै अब भी निर्वस्त्र थी. वो लोग मेरे बदन को निहारते हुए मुझसे बाते कर रहे थे.

योगेश जी ने कहा, "पदमा जी, फोटो सेशन तो ठीक था पर इस रोल के लिए लड़कियो की लाईन लगी है. पर हम आपको मौका दे सकते है." मैने सर हिला दिया तो उन्होने आगे कहा, "पर आपको थोड़ा कौम्प्रोमाईज करना पड़ेगा." मैने मतलब पुछा तो उन्होने कहा, "अभी बगल वाले कमरे मे चलते है और थोड़ा एन्जाय कर लेते है, फिर डील साईन कर लेंगे और ५०००० एडवास दे देंगे." मैने कहा, "आपने जो बोला मैने किया पर मै ये नही कर सकती, मै शादी शुदा हूं." उन्होने कहा, "ये तो और अच्छी बात है, कुवारी लड़कियो को तो कौमार्य का प्राबलम होता है पर आपको तो नही होगा. फिर किसी लो पता नही चलेगा. सफलता की पहली सीढ़ी है और आप ठोकर मार रही हैं." मैने कहा, "मै ये नही कर सकती, प्लीज मुझे जाने दिजिए." उसने कहा, "ठीक है, पर मेरा दावा है कि कल की तरह आप फिर कल आयेंगी और राजी खुशी ये करेंगी, हम आज शाम को फिर आपके पति से बात करेंगे." ये बात सुनते ही मेरे चेहरे से पसीना टपकने लगा. मै सोचने लगी, मै काफी देर तक सोचती रही और आखिर में हां बोल दी. हम लोग उठ कर दूसरे कमरे मे आ गये. वहां एक बिस्तर लगा था और आस पास कैमरे और लाईट्स लगे थे. मैने कहा, "ये सब किस लिए." योगेश जी बोले, "पदमा जी, सिर्फ अपनी यादो के लिए, हमारे पास दो चार दिन रहेगा फिर हम नष्ट कर देंगे." मैने कहा, "नही प्लीज रिकार्डींग नही, आप जैसा बोलोगे करूंगी पर रिकार्डींग मत किजीए प्लीज." योगेश जी ने कहा, "पदमा जी आप बेकार डर रही है, आप बेफिक्र रहिए, इसे हम आपने पास ही रखेंगे न किसी को दिखायेंगे न देंगे." मैने फिर हाथ जोड़ा तो वो आगे बोले, "हम पर भरोसा रखिए, आपको हिरोईन बनना है या नही. आप अभी से घबरा रही है, आगे ऐसे कई मौके आ सकते हैं, तब क्या करेंगी. ३ लाख महीने का कमाना इतना आसान नही है. और फिर हमने इन सबके लिए आपके पति से बात कर ली है और उन्हे कोई एतराज नही है." मैने पुछा, "मेरे पति की मर्जी है इन सब के लिए." उन्होने सर हिला कर कहा, "अब तो आपको कोई एतेराज नही है न?" मैने सर हिलाया और बिस्तर पर लेट गई.

वो लोग लाईट्स और कैमरे को आन करने लगे और फिर कपड़े उतार कर बिस्तर पर आ गये. योगेश जी ने पुछा, "पदमा जी आप गर्भ निरोधक गोलियां तो इस्तेमाल करती है न?" मैने सर हिला दिया. उन्होने आगे कहा, "ये तो बहुत अच्छी बात है क्योकि हम लोग कॉन्डम इस्तेमाल नही करते. आप इसी तरह से सहयोग करती रहिए आप बहुत जल्दी हिरोईन बन जाओगी." मैने कोई जवाब नही दिया तो वो लोग मेरे बदन से खेलने लगे. दूसरे आदमी ने कहा, "आपका इतना करारा बदन है, आप कैसे एक झोल्टू आदमी के पल्ले बंध गई है." तीसरे ने कहा, "खैर छोड़िए, आप एक बार हिरोईन बन जाईये, फिर तो आप की ऐश ही ऐश है." वो लोग मेरे स्तनो से और मेरी जांघो से खेल रहे थे. १० मिनट के बाद योगेश

जी ने कहा, "चलो अब ज्यादा लेट नही करते हैं." सब अलग हट गये और योगेश जी मेरे जांघो के बीच आ गये. उन्होने मेरी चुत पर अपना लण्ड लगाया और एक झटके से उसे अंदर डाल दिया. उसके बाद वो धक्के लगाने लगे. मै थोड़ी विचलित हो रही थी, ये मेरे लिये नया अनुभव नही था पर कोई अन्जान आदमी मेरे साथ ये सब कर रहा था और दो अन्जान लोग मुझे ये सब करवाते हुए देख रहे थे. ये थोड़ा अजीब लग रहा था. लगभग २० मिनट तक धक्के लगाने के बाद उन्होने अपना वीर्य मेरे अंदर ही छोड़ दिया और अलग हट गये. उनके अलग हटते ही अगले ने उनकी जगह ले ली. लगभग ३ घंटे तक वो लोग लगातार मेरे बदन को नोचते रहे, एक अपना वीर्य छोड़ कर अलग हटता तो दूसरा उसकी जगह ले लेता. उसके बाद वो लोग संतुष्ट होकर अलग हो गये. मै उठ कर बाथरूम मे गई और ३० मिनट तक बाथटब मे लेट कर गरम पानी से बदन को सेकती रही. उसके बाद मैने अपना बदन पोछा और बाहर आ गई. बाहर योगेश जी मेरे कपड़े के साथ खड़े थे. मैने कपड़े उनसे लिया और पहन ली. उसके बाद हम उनके आफिस मे गये और एक बहुत ही मोटी फाईल उन्होने मेरे सामने रखी. पूरी फाईल अंग्रजी मे थी और जगह जगह स्टैम्प पेपर लगे हुए थे. मुझे अंग्रेजी अच्छे से नही आती है इसलिए जहां जहां वो बताते गये मै वहां साईन करती गई. फिर उन्होने उस फाईल को अपनी अलमारी मे रख लिया और मुझे २५०००/- का एक चेक दिया और २५०००/- कैश दिया. उन्होने मुझे एक पासबुक, ए.टी.एम. और एक ५० पन्ने का चेक्बुक दिया. उन्होने कहा कि मेरी डेली की पेमेन्ट मेरे एकाऊंट मे आ जायेगी और मै कभी भी एकाऊंट से कैश कर सकती हूं. उसके बाद मै वहां से निकल कर सीधे मिठाई की दुकान मे गई और मिठाई लेकर घर पहुंची.

मैने घर मे सब को मिठाई खिलाई और अपने पति से एकाऊंट वाली बात बताई और चेक और कैश उनको दे दिया. होने के लिए वो भी खुश थे पर थोड़े परेशान भी दिख रहे थे मैने कारण पुछा तो उन्होने कहा, "मेरा एक दोस्त बता रहा था कि इस लाईन मे हिरोईन बनने के लिए लड़कियो को प्रोड्यूसर डारेक्ट के साथ सोना पड़ता है, इसको कास्टिंग काऊच कहते है. पर मेरी पत्नी किसी के साथ सोये मुझे पसंद नही आयेगा. कभी भी योगेश जी ऐसा कुछ पेशकश दे ठुकरा देना." मुझे काटो तो खून नही, आसमान फट गया मेरे सर पर. हाथ पैर सुन्न पड़ गये. मैने पुछा, "आज योगेश जी से बात हुई है आपकी?" उन्होने कहा, "नही, एक बार भी नही हुई है. कल बस बात हुई थी, कह रहा था कि आपकी वाईफ ने आकर कहा है कि वो काम नही करना चाहती और मेरे दबाव मे काम करने के लिए राजी हुई हैं." एक और झटका, मुझे लगा की कल नंगी फोटो सेशन के लिए बात हुई है पर यहां तो कहानी ही कुछ और है."

जैसे तैसे मैने रात काटी और सुबह उठते ही पहुंच गई योगेश जी के पास. मै फट पड़ी जाने क्या क्या बोलती चली गई. उन्होने मुझे बैठने को कहा और फिर बोले, "आपको पता है कि कल के एग्रीमेंट मे क्या लिखा हुआ है?" मैने न मे सर हिलाया तो उन्होने कहा, "आप ३ साल के लिए हमारे साथ काम करने के लिए बाध्य है, बीच मे कभी भी छोड़ सकती है पर आपको ५ लाख हर्जाने के तौर पर देना होगा, अन्यथा कम्पनी आप और आपके पति पर कानूनी कारवाई करेंगी." मैने कुछ नही कहा तो वो आगे बोले, "अब जो हो गया सो हो गया पदमा जी, अब दो तीन महीने आप काम कर लिजिए हमारे साथ, काम पसंद नही आयेगा तो आपके पास ५-१० लाख जमा हो जायेंगे. आप हर्जाना देकर छोड़ दिजिएगा काम." मैने सर हिला दिया. दोपहर मे एक अग्रेजी टीचर और एक जिम मास्टर आकर मुझे सिखाने लगे. शाम को एक दूसरा आदमी आकर मुझे फिल्म कि कहानी सुनाने लगा. एक हफते बाद फिल्म की शुटिंग शुरू हो गई और मै और लोगो के साथ शुटिंग करने लगी. मेरे पति काफी खुश थे और कभी कभी वो मेरे साथ स्टुडियो आ जाते थे.

१५ दिन बाद एक दिन योगेश जी ने मुझे आफिस बुलाया. मै आफिस मे पहुंची तो उन्होने मुझे बैठाया, उनके साथ एक और आदमी था. उन्होने मुझसे कहा, "पदमा जी, थोड़ी प्राबलम हो गई है. हमारे फाईनेन्सर ने हमारे फिल्म पर पैसे लगाने से मना कर दिया है." मैने पुछा, "अब क्या होगा योगेश जी?" उन्होने कहा, "कुछ खास नही, ये लोगो का तो यही चोचला रहता है. कल आये थे स्टूडियो पर, तुम शायद बिकनी मे सूटिंग कर रही थी, तुम्हे देख कर लार टपकने लगी सालो की इसलिए नौटंकी कर रहे है. तुम बस उनके पास जा कर अपने जिस्म का मजा चखा दोगी तो सब लाईन पर आ जायेंगे. एक काम करना कल १० बजे हॉटल पूनम मे चली जाना, रूम नं. १०९ मे. सब वही मिलेगे तुम्हे." मैने आव देखा न ताव गुस्से मे बोली, "रंडी नही हूं मै!!!" योगेश जी सकते मे आ गये. मुझसे बोले, "एक बार तो हमारे साथ कर चुकी हो, फिल्म फंस जायेगी, जब एक बार करवा चुकी हो तो क्या प्राब्लम है." मैने कहा, "पिछली बार आपने मुझे फंसाया था, इस बार मै नही करूंगी." उन्होने कहा, "यार तुम्हारी बहुत प्राब्लम है, हर हिरोईन ये काम तो करती ही है, तुम कहां से आई हो जो तुम्हे इतनी प्राब्लम हो रही है?" मैने कहा, "मैं नही जानती, बस मै नही कर सकती." उन्होने कहा, "तो तुम्हे हिरोईन नही बनना?" मैने कहा, "बनना है पर इस तरह से नही. और मेरे पति को भी ये तरीका मंजूर नही होगा." उन्होने कहा, "ठीक है फिर फिल्म बंद ही समझो, और मै तो बरबाद ही हो गया हूं, वैसे फ्रस्ट्रेट हो कर मै सुसाईद भी कर सकता हूं." मैने कहा, "इसमे मै क्या कर सकती हूं." तभी साथ वाले आदमी ने कहा, "या फ्रस्ट्रेट हो कर आपकी विडियो आपके पति को भी दिखा सकते है." मुझे धक्का लगा कि ये विडियो

के बारे मे कैसे जानता है. मैने कहा, "आप मुझे ब्लैकमेल कर रहे है." योगेश जी बोले, "ब्लैकमेल नही कर रहा हूं. मेरी बस ये फिल्म पूरी करवा दो, उसके बाद तुम भले काम छोड़ देना या करना तुम्हारी मर्जी. मै तुम्हारे विडियो तुम्हे वापस कर दूंगा. अपने बच्चो की कसम खाता हूं. तुम सोच लो." इतना बोल कर वो लोग कमरे से बाहर निकल गये. मै कमरे मे बैठी रही और १ घन्टे तक सोचती रही. एक घन्टे बाद योगेश जी वापस आये तो मैने कहा, "ठीक है मै ये काम कर दूंगी." योगेश जी बोले, "मुझे ये काम की नही फिल्म पूरी होने तक तुम्हारी जरूरत पड़ सकती है. आज ये लोग नौटंकी कर रहे है कल कोई और करेगा." मै कुछ देर सोचती रही फिर कहा, "ठीक है मै सहयोग करूंगी." मैने एक सवाल पुछा, "और कितने लोग मेरे विडियो के बारे मे जानते हैं." उसने कहा, "कोई नही, वो मेरा पर्सनल सेक्रेटरी है, उसके साथ मै दारू पीता हूं, इसलिए गलती से उसके सामने मुंह से निकल गया था." मैने कहा, "ठीक है मै कल ठीक टाईम पर पहुंच जाऊंगी."

अगले दिन मै सुबह बाथरूम मे घुस गई, पता नही मेरे मन मे क्या आया कि मैने हेयर रिमूवर से पैरो और हाथो के बाल साफ कर दिया और फिर निचे के बालो को शेव कर दिया. ये सब करने के बाद मुझे लगा कि मै ये क्या कर रही हूं. अपना बदन किसी अन्जानो से नुचवाने जा रही हूं और तैयार ऐसे हो रही हूं जैसे अपने पति या प्रेमी से मिलने जा रही हूं. मैने नाश्ता किया और अच्छी सी महंगी साड़ी पहन ली. ये इसलिए क्योकि हॉटल पूनम शहर का सबसे बड़ा हॉटल है. ९:३० पर मै घर से निकल गई और १० बजने मे पांच मिनट कम थे तब हॉटल पहुंच गई. मुझे समझ नही आ रहा था कि काऊंटर पर क्या कहूं. जैसे तैसे हिम्मत जुटा कर मैने काऊंटर बैठे आदमी से कहा, "रूम नं. १०९!!!" उसने मुझे घूर कर देखा फिर मुस्कुरा कर कहा, "पहले फ्लोर पर बाएं से आखरी." मै बिना कुछ बोले पलटी और सीढ़ी चढ़ने लगी. पहले फ्लोर पर आकर बाए मुड़ गई और गैलरी मे आखरी तक गई. वहां एक दरवाजे पर लिखा था '१०९'. मैने धड़कते दिल से दरवाजा खटखटाया तो कुछ ही पलो मे एक आदमी ने दरवाजा खोला. वो ३०-३२ साल का आदमी था और कमर पर सिर्फ एक तौलिया लपेटा हुआ था. उसने मुझे देखा कहा, "अरे पदमा जी, आईये आईये, हम आपका दी इन्तेजार कर रहे थे." मैने एक झटके से सवाल पुछा, "हम मतलब?" वो बोल, "पहले अंदर तो आईये, आप खुद समझ जाओगी." वो दरवाजे से हटा और मै कमरे मे दाखिल हो गई. मेरे अंदर घुसते ही उसने दरवाजा बंद कर दिया. अंदर का माजरा देखते ही समझ आ गया कि हम का क्या मतलब था. अंदर चार आदमी और थे, जिनमे से दो लगभग समान उम्र के थे, और बाकि दो लोग ४० के आस पास थे.

सब के सब अण्डवियर मे बैठे थे और बीयर पी रहे थे. जो सबसे ज्यादा उम्र का था उसने मुझसे कहा, "बहुत अच्छी साड़ी पहनी हो! बाथरूम जाओ और सब कपड़े उतार कर वहां अलमारी मे डाल देना. बिना कपड़ो के ही बाहर आना, योगेश जी ने सब बाते क्लियर कर दी है न?" मैने सर हिलाया और बाथरूम मे घुस गई. मैने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया और कपड़े उतारने लगी. सारे कपड़ो तो तह करके मैने बाथरूम के एक अलमारी मे डाल दिया. सारे कपड़े उतारने के बाद मैने धीरे से दरवाजा खोला और बाहर निकली. सब लोग मुझे ही घूरे जा रहे थे. मै सोफे तक आई तो एक ने कहा कि बैठ जाओ. मै सोफे पर बैठ गई तो किसी ने मुझे बीयर पीने को दिया जिसे मैने मना कर दिया. वो लोग थोड़े देर तक सीग्रेट और बीयर पीते रहे फिर मुझसे कहा, "चल अब बैड पर लेट जा." मै चुपचाप उठ कर बैड पर लेट गई. पांचो अपने बाकि बचे कपड़े उतार कर बैड पर आ गये और मेरे बदन से खेलने लगे. २० मिनट मेरे बदन से खेलने के बाद पांचो ने अपने अपने क्रम को तय किया और पहला मेरी जांघे फैला कर मेरे चुत मे दस्तक देने लगा. उसने अपना लण्ड अंदर डाल दिया और धक्के लगाने लगा. लगातार धक्के लगाने के बाद उसने अपना वीर्य अंदर ही छोड़ दिया और खड़ा हो गया. उसके अलग हटते ही दूसरे ने उसकी जगह ले ली और फिर से ये क्रम चालू हो गया. अगले १ घन्टे तक एक क्रम से सबने मेरे चुत मे अपना वीर्य छोड़ दिया. उनके उठने के बाद मै वैसे ही पड़ी रही और वो लोग फिर से बीयर पीने बैठ गये. ५ मिनट बाद मैने पुछा, "अब मै जाऊं?" एक ने मुझे देखा और कहा, "इतनी जल्दी, दिमाग खराब है क्या? अभी तो कार्यक्रम चालू हुआ है, अभी हम लोग एक राऊंड और मारेंगे फिर चली जाना." मैने कुछ नही कहा और वैसे ही पड़ी रही. २० मिनट के बाद वो लोग वापस आये और मुझे उठा कर घोड़ी जैसा बनाया. मै बिना कुछ बोले वैसे हो गई और एक मेरे मुंह के पास आकर मेरे होंठो से अपना लण्ड छुआने लगा. उसने कहा, "ले चूस." मैने धीरे से कहा, "मैने आज तक ये नही किया है." उसने कहा, "तो आज कर ले, हम यहां तेरे हिसाब से नही चलेंगे." मैने धीरे से उसे मुंह मे ले लिया और चुसने लगी. तभी मुझे महसूस हुआ की कोई मेरे गांड़ के छेद मे अपना लण्ड घुसाने के कोशिश कर रहा है. मैने झटके से लण्ड मुंह से निकाला और पिछे पलट कर बोली, "नही उधर से नही, आज तक उधर ने नही करवाई हूं." उसने कहा, "तू उसको चूस, इधर ध्यान मत दे, तेरे को बोले न कि हम अपने हिसाब से करेंगे." इतना कह कर उसने एक झटके से अपना काम कर दिया. दर्द से मेरे हाथ पैर कांप रहे थे पर मै जैसे तैसे उसके लण्ड को चूस रही थी. ५ मिनट तक इस दर्द से जूझती रही और फिर कुछ आराम पड़ा. जैसे ही आराम पड़ा वैसे ही दोनो ने अपना वीर्य मेरे मुंह और गांड़ मे छोड़ दिया. गांड़ का तो फिर भी ठीक था पर मुंह मे जाने से उबकाई सी आने लगी. उनके लण्ड निकालते ही मैने उसे बाहर उगला पर उनके

अलग हटते ही दो लोगो ने उनकी जगह ले ली. दोनो ने ये क्रम दोहराया और मै वैसे ही पड़ी पिसती रही. उन दोनो को भी ज्यादा टाईम नही लगा और उनके अलग हटते ही पांचवे ने मेरी गांड़ मारना शुरू किया. आखिर मे अपना वीर्य मेरी गांड़ में छोड़ने के बाद उसने मुझसे कपड़े पहनने के कहा. मै बाथरूम मे घुस गई और नहा कर हलका मेकअप की और कपड़े पहन कर बाहर आ गई. मैने पुछा, "अब मै जाऊं." एक ने कहा, "तेरे मे बहुत पावर है, ५ लोगो को सह गई, पहले धंधा करती थी क्या?" मैने कुछ नही कहा तो उसने कहा, "बता न?" मैने कहा, "हम छत्तीसगढ़ी लड़की अंदर से मजबूत होती है इसलिए." मैने फिर पुछा, "मै जाऊं." उसने कहा, "मन तो हमारा था कि तुझे दो चार दिन तक अपने पास रख कर लगातार तेरे जिस्म को नोचते पर चल फिर कभी. योगेश को बोल देना की फंड पहुंच जायेगा." मै हॉटल से निकलने लगी तो मैनेजर ने मुझे बुलाया. मै उसके पास गई और पुछा, "क्या हुआ."

मैनेजर ने पुछा, "मैडम आप धंधा करती हो क्या?" मैने हड़बड़ाते हुये कहा, "नही!!" उसने कहा, "मजाक मत करो? पांच लोगो के कमरे मे ४ घण्टे के लिए घुसे थे, तो अंदर पुजा तो नही करवा रहे होगे. या राखी तो नही बांधने गये थे सब को. मुझे पता है कि क्या करने गई थी. छोड़िए ये फालतू की बात, मै ये बोल रहा था कि भविष्य मे अगर अच्छा कमाई का मन होगा तो मेरे हॉटल मे आ जाना, बढ़िया तेरे लायक कस्टमर है मेरे पास और मै पेमेन्ट भी बढ़िया दूंगा." मुझे कुछ बोलते नही बन रहा था तो मैने कहा, "मै सोचुंगी." उसने कहा, "अभी अगर जल्दी नही है तो मेरे कमरे मे चल, तेरे बदन का जायजा ले लेता हूं." मैने कहा, "मुझे जल्दी है." उसने कहा, "किसलिए डर रही है, आज का भी पेमेन्ट भी कर दूंगा." मैने कहा, "मुझे जल्दी है." उसने कहा, "ठीक है, तो कब आयेगी." मैने कहा, "कल परसो मे आती हूं." उसने कहा, "नम्बर तो देती जाओ." मैने कहा, "अगली बार आऊंगी तो दे दूंगी." इतना बोल कर मै बाहर निकल गई और घर आ गई. घर से मैने योगेश जी को कॉल करके बता दिया जो वो लोग बोले थे.

अगले दिन जब स्टूडियो पहुंची तो योगेश जी मेरे पास आये और बोले, "पदमा परसो सुबह ९:३० पर होटल सिटी सेन्टर मे रूम नम्बर १२२ मे चली जाना." मैने गुस्से मे कहा, "एक्टींग करने के बजाये मै क्या धंधे पर ही बैठ जाऊं." उन्होने मुस्कुरा कर कहा, "ये तो तुम्हारी मर्जी है, पर मेरे काम के सिलसिले मे तुम को जाना पड़ेगा. अब बहस करके जाओ या अपनी मर्जी से." मै धीरे से बोली, "ठीक है मै चली जाऊंगी."उसके बाद तो ये सिलसिला बन गया, हर दो चार दिन के अंतराल मे मुझे इसी काम के लिए जाना पड़ता. कभी मुझे दो लोग मिलते कभी चार कभी छः, ये लोग मुझे एक वेश्या की तरह

नोचते और योगेश जी के लिए मैसेज देकर लौटा देते. हर हॉटल के मैनेजर मुझे हेय दृष्टि से देखते पर हॉटल पूनम के मैनेजर की तरह किसी ने मुझे आफर नही दिया. किस्मत अच्छी थी कि हॉटल पूनम दोबारा नही जाना पड़ा. पर कहते है न कि जिस चीज से बचना चाहते है वो घूम फिर कर सामने आ ही जाती है. लगभग डेढ़ महीने बाद मुझे फिर हॉटल पूनम मे जाना पड़ा. मैने योगेश जी से रिक्वेस्ट किया कि जगह बदल दे पर उन्होने मना कर दिया. मै डरते डरते हॉटल पहुंची, काऊंटर पर वही मैनेजर था सो उससे कमरा पूछ कर कमरे मे चली गई. लगभग ३ घण्टे बाद कमरे से बाहर आई और काऊंटर पर पहुंची. मैनेजर मुझे देख कर मुस्कुराया और बोला, "कमाल करती हैं आप, उस दिन के बाद आप आई ही नही." मैने धीरे से कहा, "मै थोड़ा बिजी हो गई थी." उसने कहा, "चलिए कोई बात नही, आज तो बिजी नही है न आप?" मैने धीरे से कहा, "बिजी हूं. थोड़ी जल्दी मे हूं." वो काऊंटर से बाहर आ गया और मेरी बांह पकड़ते हुए बोला, "आज कोई बहाना नही चलेगा, अरे जब तक इनिशियल स्टेप नही लेंगे तो शुरूवात कैसे होगी? चलिए पहले मै तो आप को टेस्ट कर लेता हूं." मुझे बचने का कोई रास्ता नही दिख रहा था. मैने कहा, "नही आज ज्यादा हो गया है, मै कल पक्का आती हूं." उसने कहा, "ज्यादा होने पर भी तो बहुत आराम से चल फिर रही हो. और ज्यादा हो जायेगा तो यही आराम कर लेना. अब चलो भी." वो मुझे लगभग खींचते हुए एक कमरे मे ले गया. कमरे का दरवाजा बंद करके मुझसे बोला, "अब घरेलु औरत की तरह व्यवहार मत करो, जल्दी से कपड़े उतार दे." मैने बचने की सभी गुन्जाईश तलाशी और कोई रास्ता नही दिखा तो कपड़े उतारने लगी. पुरे कपड़े उतार कर बिस्तर पर लेट गई और वो भी अपने कपड़े उतार कर मेरे बदन से खेलने लगा. उसके बाद उसने मेरे चुत और गांड़ को एक एक बार अच्छे से कूटा और फिर मेरे उपर लेटे लेटे मेरे बदन से खेलता रहा. उसने मुझसे कहा, "बहुत करारी चीज हो आप, बहुत मजा आया. कही से नही लगता की धंधे वाली हो." तभी उसके मोबाईल पर कॉल आया और वो बात करने लगा. बात करने के बाद उसने मुझसे कहा, "चल जल्दी से कपड़े पहन." मै उठी और खुद को साफ करके कपड़े पहनने लगी. कपड़े पहनने के बाद उसने कहा, "चल तेरी किस्मत जोरो पर है, आज ही टेस्ट हो गया और आज ही कस्टमर भी मिल गया. मेरे पास ३ कस्टमर है उपर रूम मे, तीनो को एक ही लड़की चाहिए. चल जल्दी से चली जा उनके कमरे में, रूम नं १०१ है." मैने कहा, "आज नही, आज सच मे बहुत ज्यादा हो गया है." उसने कहा, "अरे कहां, ज्यादा हुआ है. अब जिद मत कर, तुझे पुरा पेमेन्ट करूंगा." उसने एक रूम बाय को आवाज दिया और उससे कहा, "मैडम को रूम नं १०१ मे पहुंचा दो." मै दिल दी दिल सोच रही थी कि कहां फंस गई और भारी कदमो से रूम

नं १०१ मे दाखिल हुई. जब कमरे से बाहर निकली तो पूरा बदन टूट रहा था, तीनो ने पूरी वेश्या की तरह नोचा था. मै काऊंटर पर आई तो मैनेजर ने मुझे ३००० रूपये दिये और मै हॉटल से बाहर आ गई.

अगले दिन मैने योगेश जी से कह दिया की मै हॉटल पूनम मे नही जाऊंगी दोबारा. और उन्होने सर हिला दिया.मेरा कार्यक्रम बदस्तूर चलता रहा और मेरे एकाऊंट मे लगभग ५ लाख जमा भी हो गये. बस अंतर ये था कि ये मेरे एक्टिंग के नही जिस्म फरोशी की कमाई थी. एक दिन जब मै अपना बदन नोचवा कर घर पहुंची तो घर के सामने एक कार खड़ी थी. मै अंदर गई तो सर पर पहाड़ टूट गया, मेरे पति ने पैसे निकाल कर कार ले लिया था. मुझे गुस्सा तो बहुत आया पर मै क्या बोलती. योगेश जी को भी पता चल गया और उन्होने हंसते हुए मुझे कार के लिए बधाई दी. उनकी हंसी का मतलब मुझे समझ आ रहा था पर क्या बोल सकती थी. मैने अपना काम चालू रखा.

१ महीने के बाद मैने योगेश जी से दो दिन की छुट्टी मांगी जो उन्होने मुझे दे दी. बहुत दिनो बाद छुट्टी मिली थी सो मैने घर पर मूवी देखने का सोचा और एक लोकल सी.डी. दुकान पर जा कर एक छत्तीसगढ़ी मूवी मांगी. दुकानदार मुझे देख कर ऐसे चौका जैसे भूत देख लिया हो. उसने अंदर से ढूढ कर मुझे एक सी.डी. निकाल कर दिया. उपर लेबल नही लगा था सो मैने फिल्म का नाम पुछा. उसने कहा कि लेटेस्ट मूवी है और मुझे पसंद आयेगी और पसंद न आये तो वापस कर दूं. मैने कुछ नही कहा और उसे लेकर घर आ गई. मैने घर मे मूवी लगा कर देखा तो रौंगते खड़े हो गये. मेरी ही मूवी थी, इतने दिनो मे किसी एक दिन की, शायद किसी गुप्त कैमरे से ली गई थी. मैने फौरन ही उसे बंद किया और योगेश जी से जाकर मिली. उन्हे दिखा कर पुछी तो वो बोले की उनकी जानकारी मे नही है. मैने इसे रोकने को कहा तो वो बोले, "अब सी.डी. तो मार्केट मे बंट चुकी है बस तुम ये दुआ करो की तुम्हारा पति न देखे." मै गुस्से मे भुनभुनाते हुए घर आ गई. रात मे उन्होने फोन करके बताया कि उन्होने सब से बात की है और अपने सोर्स से सारी सी.डी. उठवा लिये है. मेरी जान मे जान आई, उन्होने ये भी बताया कि १२ और लोगो ने रिकार्डिंग की हुई है और वो सब अपने पास सुरक्षित कर लिये है. मैने उनसे कहा कि आईंदा ऐसा नही होना चाहिए और उन्होने आश्वासन दे दिया.

दो दिन बाद जब मै वापस स्टूडियो गई तो योगेश जी ने मुझसे कहा कि शाम को सबके जाने के बाद मै रूकूं और उन्हे मुझसे बहुत जरूरी बात करनी है. मैने दिन भर का काम निपटाने के बाद योगेश जी के ऑफिस मे चली गई. योगेश जी के साथ हमारे कैमरा मैन, लाईट मैन और मिक्सिंग टीम के दो सदस्य थे. वो लोग एक ही तरफ बैठे थे और मै दूसरी तरफ बैठ गई. योगेश जी ने मुझसे कहा, "पदमा! हम

सब को तुमसे जरूरी बात करनी थी. असल मे हम सबने कल रात मे तुम्हारी विडियो देखी और एक कमाल का आईडिया हम सबके दिमाग मे आया है. मुझे उमीद है तुम्हे पसंद आयेगा."

मैने पुछा, "बताईये?" उन्होने कहा, "आज कल छत्तीसगढ़ी फिल्मो का उतनी वैल्यु नही रह गई है मार्केट मे, और न ही ज्यादा प्राफिट है. आज कल के हिसाब से ज्यादा बड़ा और ज्यादा प्राफिट ब्लू फिल्मो मे होने लगा है. तो हम सब ब्लू फिल्मो के प्रोडक्शन मे शिफ्ट होना चाहते है." मैने एक पल सोचा और कहा, "मतलब मेरी छुट्टी?" उन्होने हड़बड़ा कर कहा, "अरे नही नही तुम गलत समझ रही हो." मैने पुछा, "तो?" उन्होने कहा, "हर फिल्म मे नायक नायिका तो होते ही है, चाहे ब्लू फिल्म हो या छत्तीसगढ़ी फिल्म." मैने पुछा, "मतलब?" उन्होने कहा, "मतलब हम प्रोडक्शन मे जा रहे है और आपके लिए ऑफर है कि आप हमारे फिल्मो मे नायिका की भूमिका अदा करें." मैने कहा, "क्या?" उन्होने कहा, "आपकी विडियो रोकार्डिंग देख कर इतना तो समझ आ गया कि आप ५ लोगो को भी एक साथ सह लेती हो और स्पेशल पोज भी करती हो जो ब्लू फिल्मो की नायिका की खूबी होती है. हम आपका पेमेन्ट ४ गुना बढ़ा देंगे और काम अगले हफ्ते से चालू करेंगे." मैने कहा, "मुझे नही करना, मै तो आपकी मदद कर रही थी, इसलिए ये सब की, खुल्लम खुल्ला ब्लू फिल्मो मे काम करके मै अपनी शादी शुदा जिन्दगी बरबाद नही कर सकती. अगर मेरे पति के हाथ मे कोई मूवी लग गई तो?" उन्होने कहा, "हम इस बात का ख्याल रखेंगे कि ये फिल्मे इस शहर मे न बेचे जाये. अरे हम तो अपनी फिल्मे विदेशी मार्केट मे बेचेंगे. आप चिन्ता मत किजिए." मैने कहा, "नही मुझे फिर भी नही करना." उन्होने कहा, "हम तुमसे पुछ नही रहे है पदमा तुम्हे बता रहे हैं." मैने कहा, "मुझे ब्लैकमेल कर रहे हैं?" उन्होने कहा, "हां ऐसे ही समझो, अगर नही करोगी तो तुम्हारी विडियो को एडिट करके लोकल मार्केट मे निकाल देंगे और फिर उसकी एक कापी तुम्हारे पति और पुलिस को पहुंचा देंगे. पति से निपटते रहना पर पुलिस से बचाना के लिए फिर यही शर्त रहेगी. और तुमने अपना एग्रीमेट पड़ा है कि नही." इतना कह कर उन्होने मेरे साईन किये हुये एग्रीमेट की मुझे एक कापी दी. मेरी अग्रेजी कमजोर है पर मै धीरे धीरे पढ़ कर समझ लेती हूं सो मैने उसे धीरे धीरे पढ़ना शुरू किया. एग्रीमेट मे साफ साफ लिखा था कि योगेश जी और उनके बिजनेस पार्टनर मिथलेश जी जो अंतर्राष्ट्रीय ब्लू फिल्मे बनाने का कान्ट्रेक्ट लेते है के साथ ब्लू फिल्मो मे काम करने का मेरा अनुबंध है और ये मैने अपनी मर्जी से चुना है. मेरा अनुबंध ५ साल का है और मुझे डेली ४ घण्टे फिल्मो मे काम करना है, बिना किसी छुट्टी के. अनुबंध तोड़ने पर ५० लाख की राशी दोनो को भुगतान करना होगा. मेरे तो पैरो तले से जमीन ही निकल गई थी. योगेश जी बोले, "हम तो ये नियम ताक पर रख रहे है और तुम्हारी सुविधा से काम करके को तैयार है. तुम

अपने हिसाब से सोच लो, पेमेन्ट बढ़ा देंगे और भी कई सुविधा देंगे, एक हफते के बाद आना और काम चालू कर देंगे." मै लुटी पिटी सी घर आ गई.

एक हफते तक सोचने के बाद आखिर मै वापस स्टुडियो पहुंची. स्टुडियो का हुलिया चेन्ज हो गया था. मै योगेश जी से मिली और सर झुका कर बोली कि मै काम करूंगी. योगेश जी मुझे एक हाल मे ले गये और मुझे वहां का सेटअप दिखाया. कुल मिला कर १० कमरे थे जिसमे अलग अलग टाईप के फर्नीचर लगे थे. यही पर ब्लू फिल्मो की शूटिंग होनी थी, मुझे इसके बाद पिछे मैदान मे ले गये जिसे एक जंगल का आकार दे दिया गया था. उन्होने मुझे कहा कि मै कपड़े बदल लूं और मुझे एक साड़ी पहनने को दिया गया. मैने उनके सामने ही चेन्ज किया. उसके बाद उन्होने मुझे बताया कि शूटिंग यही होगी और सीन ये है कि मुझे यहां से गुजरना है और यही मुझे ५ गुण्डे मिलेंगे जो मेरे साथ छेड़ छाड़ करेंगे और फिर मेरा रेप करेंगे. कुछ ही पलो मे सब सेटअप हो गया और फिर शूटिंग चालू हो गई. वे ५ कैरेक्टर ने मेरे कपड़े फाड़े और वही पटक कर सीन के हिसाब से मेरी इज्जत लुटते रहे और मै उनका विरोध करती रही जिससे ये सच का रेप लगे. पूरा सीन १ दर्जन कैमरा मे रिकार्ड होता रहा और फिर शूटिंग खत्म हो गई.

फिर तो हर दो दिन के अंतराल मे शूटिंग होने लगी. कभी एक आदमी होता, कभी दो, कभी चार तो कभी दस भी हो जाते. कभी मै ऑफिस की लड़की होती जिसका बॉस फायदा उठाता, कभी रेप करता, कभी मै किसी को बहकाती, कभी नौकर से करवाती, कभी मै काम वाली बाई होती, कभी इन्टर्व्यू मे मेरा रेप होता. कभी रास्ते से उठा ली जाती और कार मे रेप होता. कभी पौराणिक चित्रण होता, कभी वेश्या बन जाती तो कभी कुछ और. मै हिरोईन तो बन गई थी पर ब्लू फिल्मो की. हां इस बात की तस्सली है कि मेरा ये पेशा मेरे घर वालो को पता नही है, अब तक. पर कब तक छुपा पाऊंगी पता नही.

पदमा मैत्री